

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

Term-End Examination

June, 2012

MEC-008 : ECONOMICS OF SOCIAL SECTOR
AND ENVIRONMENT

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Answer questions from both sections as per instructions.

SECTION-A

Answer *any two* questions from this section in about 500 words each. 2x20=40

1. Suppose you have to find the total economic value of the forest near your locality. Explain the various aspects of the forest you will look into and the method of estimation of the total economic value.
2. Identify the major factors in the analysis of demand and supply aspects of education.
3. Explain the rationale of including the changes in the level of natural resources in national income accounting. What are the modifications that need to be made in usual estimation of GDP so that environmental degradation is taken into account ?

4. What are the limitations of considering income level as the indicator of development ? Explain how Human Development Index (HDI) overcomes such limitations.

SECTION-B

Answer *any five* questions from this section in
about 250 words each. 5x12=60

5. Bring out the central message implicit in Barker's hypothesis.
6. Bring out the major facets of the relationship between economic development and health status in an economy.
7. In the presence of externalities the economy produces less of what it should produce and more of what it should not produce. Comment.
8. Highlight the major arguments in support of government intervention in an economy.
9. Critically examine the techniques of manpower forecasting.
10. Provide a brief overview of environmental policies in India.
11. Critically examine the effectiveness and feasibility of Coase's bargaining solution in solving the problem of externality.
12. Write short notes on the following :
 - (a) Use of shadow prices in environmental valuation
 - (b) Types of educational financing in India.

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

एम.ई.सी.-008 : सामाजिक क्षेत्र एवं पर्यावरण अर्थशास्त्र

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : दोनों भागों के प्रश्नों के उत्तर, निर्देशानुसार दीजिए।

भाग-क

इस भाग से *किन्हीं दो* प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग
500 शब्दों में दीजिए। 2x20=40

1. मान लीजिए कि आपको अपने इलाके के निकट के वन के कुल आर्थिक मूल्य का पता लगाना है। इस संबंध में बताइए कि आप वन के कौन से विविध पहलुओं को ध्यान में रखेंगे और कुल आर्थिक मूल्य के आकलन की विधि का भी वर्णन कीजिए।
2. शिक्षा के माँग और आपूर्ति पहलुओं के विश्लेषण में सम्मिलित मुख्य कारकों की पहचान कीजिए।
3. राष्ट्रीय आय लेखाकरण में प्राकृतिक संसाधनों के स्तर में परिवर्तनों को सम्मिलित करने के तर्काधार का वर्णन कीजिए। ऐसे कौन से परिवर्तन हैं जिन्हें जी.डी.पी. के सामान्य आकलन में लागू करना आवश्यक होता है ताकि पर्यावरणीय निम्नीकरण पर ध्यान देना संभव हो।

4. आय स्तर को विकास का सूचक मानने की सीमाएँ क्या हैं? वर्णन कीजिए कि मानव विकास सूचकांक (एच.डी.आई.) ऐसी सीमाओं को कैसे नियंत्रित करता है?

भाग-ख

इस भाग से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग
250 शब्दों में दीजिए।

5x12=60

5. बार्कर (Barker's) परिकल्पना में निहित केंद्रीय (मुख्य) संदेश को उजागर कीजिए।
6. अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास और स्वास्थ्य स्थिति के संबंध के मुख्य आयामों को उजागर कीजिए।
7. बाह्यताओं (externalities) की मौजूदगी में अर्थव्यवस्था को जितना उत्पादन करना चाहिए, उससे कम होता है और उनका अधिक होता है जिनका उत्पादन नहीं किया जाना चाहिए। टिप्पणी कीजिए।
8. अर्थव्यवस्था में सरकारी हस्तक्षेप के समर्थन में मुख्य तर्कों को उजागर कीजिए।
9. जनशक्ति पूर्वानुमान की तकनीकों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।
10. भारत में पर्यावरणीय नीतियों पर संक्षेप में निगाह डालिए।
11. बाह्यता (externality) की समस्या को हल करने में कोज़ (coase) सौदाकारी समाधान की प्रभाविता एवं व्यवहार्यता की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।
12. संक्षेप में नोट लिखिए :
 - (a) पर्यावरणीय मूल्यन में कल्पित कीमतों का उपयोग
 - (b) भारत में शैक्षिक वित्तयन के प्रकार